आभारोक्ति

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध आदरणीय डॉ0 बहोरीलाल वर्मा, रीडर भूगोल विभाग, अतर्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अतर्रा के विद्वतापूर्ण निर्देशन एवं स्नेहिल प्रोत्साहन में सम्पन्न हुआ जिनका मैं आजीवन कृतज्ञ रहूंगा। इनके अथक एवं अविराम परिश्रम का यह सुफल है। मैं अपने पूज्य पिताश्री डॉ0 कृष्ण कुमार मिश्र, रीडर भूगोल विभाग, अतर्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अतर्रा का सदैव चिर ऋणी रहूंगा, जिन्होंने सर्वाधिक समय देकर मुझे कुशल दिशा– निर्देशन प्रदान किया। निश्चय ही यह उनके सफल प्रयास का सुपरिणाम है कि यह शोध प्रबन्ध मौलिकता के साथ समय से पूर्ण हो सका। विषय को वैज्ञानिक एवं तथ्यपरक बनाने में पिताश्री ने अपने अनुभवों एवं ज्ञान से इस प्रबन्ध को पूर्ण करने में अपनी अप्रतिम क्षमता का उपयोग किया है। ऐसे व्यक्तित्व के चरणों में नमन करता हूं।

मैं डॉ0 बी0आर0 त्रिपाठी, प्राचार्य, राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, अतर्रा के प्रति भी असीम कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने व्यस्ततम क्षणों से कुछ समय निकालकर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन में अपने प्राप्त अनुभवों द्वारा शोध साहित्य के संवर्द्धन में अपनी अन्वेषी प्रतिभा से ऐसे शोध परक कथ्य और शिल्प प्रस्तुत किये जिनसे शोध कार्य को एक नया आयाम मिला। उनके इस विज्ञानपरक एवं श्लाघनीय दिशा–निर्देश के लिये मैं शतशः आभारी हूं। इसी क्रम में मैं डॉ0 गया प्रसाद 'स्नेही' प्रवक्ता हिन्दी, अतर्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अतर्रा का विशेष आभारी हूं जिन्होंने शोध साहित्य को तलासने एवं उसे समुचित शब्द–विन्यास से समलंकृत करने का समय–समय सुझाव और विमर्श देते रहे।

मैं श्री विपिन बिहारी अरजरिया, ग्राम प्रधान तरहटी कालिंजर, श्री हरी प्रसाद कुशवाहा (शिक्षक) रामनगर निस्फ, क्षेत्रीय लेखपालों, दिनेश कुमार कुशवाहा एवं अन्य उन सभी विद्वानों एवं सहयोगियों के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने प्राथमिक सर्वेक्षण, सूचनाओं के एकत्रीकरण, साहित्य संवर्द्धन आदि में अपेक्षित सहयोग प्रदान किया तथा अमूल्य सुझाव दिये।

अपनी ममतामयी माँ (श्रीमती) कुसुमा मिश्रा का मैं सर्वथा ऋणी रहूंगा जिनकी वात्सल्यमयी छत्र–छाया के नीचे प्यार, दुलार एवं शैक्षणिक नवाचारिता प्राप्त होती रही। अपने अग्रज श्री पीयूष मिश्र, भाभी (श्रीमती) डॉ0 आराध्या मिश्रा एवं अनुजा कु0 प्रियम्वदा मिश्रा के प्रति भी कृतज्ञ हूं जिनके आशीर्वाद एवं विपुल सहयोग से शोध कार्य को समय से पूरा करने में सफल हो सका।

अन्त में मैं पी0डी0कम्प्यूटर्स के प्रोपराइटर राजेश कुमार गुप्त, मित्र प्रदीप कुमार गुप्त तथा कम्प्यूटर आपरेटर श्री बिहारी शरण निगम, सिविल लाइन्स, बाँदा के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करना अपना परम कर्तव्य समझता हूँ जिन्होंने समय से शोध प्रबन्ध का लेजर कम्पोजिंग सम्पन्न कर शोध प्रबन्ध को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।

Pratyush Mishra.

दिनांक– 20 दिसम्बर, 2002

(प्रत्यूष मिश्र)